पंजाब केसरी
TUE,07 APRIL 2026
EDITION: HIMACHAL , PAGE NO. 5

अब 10वीं में मिलेंगे परीक्षा के 2 मौके

हिमाचल शिक्षा बोर्ड में नई शिक्षा नीति लागू

धर्मशाला, 6 अप्रैल (सुनील): हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने नई शिक्षा नीति को अपनाते हुए सरकारी स्कूलों की पढ़ाई और परीक्षा व्यवस्था में कई बड़े सुधार किए हैं। बोर्ड अब छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास और उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। अब 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं में ऐसे सवाल पूछे जा रहे हैं जो बच्चों की समझ और सोचने की क्षमता को परखेंगे।

इसके लिए बोर्ड ने 9वीं से 12वीं तक के लिए खास 'क्वैश्चन बैंक' भी तैयार किया है, ताकि बच्चे रटने की बजाय विषय को गहराई से समझ सकें। बोर्ड ने 10वीं कक्षा के छात्रों के लिए 'डुअल एग्जामिनेशन सिस्टम शुरू किया है। इसका मतलब है कि छात्रों को एक ही साल में परीक्षा देने के 2 मौके मिलेंगे। इससे बच्चों पर से परीक्षा का बोझ और तनाव कम होगा। अब बच्चों का रिजल्ट सिर्फ नंबरों के आधार पर नहीं बनेगा।

बोर्ड ने होलिस्टिक प्रोग्रैस कार्ड (समग्र विकास कार्ड) लागू किया है, जिसमें छात्र के खेलकूद, व्यवहार और अन्य कौशल का भी मूल्यांकन होगा। स्कूलों में पढ़ाई का स्तर कैसा है, इसे जांचने के लिए एक विशेष फ्रेमवर्क बनाया गया है। इससे प्रदेश के स्कूलों में शिक्षा की क्वालिटी और पारदर्शिता बढ़ेगी। बोर्ड के अध्यक्ष ने बताया कि अब छात्रों को 3 भाषाएं सिखाने की तैयारी चल रही है। इसका मकसद बच्चों को अपनी मातृभाषा के साथ-साथ अन्य भाषाओं में भी निपुण बनाना है, ताकि वे देश और दुनिया के स्तर पर मुकाबला कर सकें।

> हमारा लक्ष्य शिक्षा प्रणाली को पूरी तरह छात्र-केंद्रित बनाना है। इन सुधारों से न केवल परीक्षा का डर कम होगा, बल्कि हिमाचल के छात्र राष्ट्रीय स्तर पर अधिक प्रतिस्पर्धी बनेंगे।
> -डा. राजेश शर्मा, अध्यक्ष, हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड

Dainik Jagran
07-04-2026

शिक्षा बोर्ड ने एनईपी के अनुरूप लक्ष्य किया हासिल : डा.राजेश

संवाद सहयोगी, जागरण ● धर्मशाला : हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप शिक्षा एवं मूल्यांकन प्रणाली में सुधार लागू करते हुए अनेक लक्ष्यों को प्राप्त किया है। बोर्ड ने योग्यता आधारित प्रश्न पत्र दसवीं व जमा दो कक्षा के लिए तैयार किए हैं। इनका उद्देश्य विद्यार्थियों की अवधारणात्मक समझ और विश्लेषणात्मक क्षमता को बढ़ाना है। इसके अतिरिक्त योग्यता आधारित प्रश्नपत्र कक्षा 9वीं से लेकर 2वीं तक विकसित किया गया है, जिससे विद्यार्थियों को विविध प्रकार के प्रश्नों के माध्यम से बेहतर अभ्यास का अवसर मिल रहा है। स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने बताया कि बोर्ड ने समग्र प्रगति कार्ड (माध्यमिक स्तर) को भी लागू किया है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों का मूल्यांकन केवल अंकों तक सीमित न रहकर उनके सर्वांगीण विकास के आधार पर किया जा रहा है।

राजेश शर्मा ● जागरण आर्काइव

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप हिमाचल बोर्ड के बड़े सुधार, त्रिभाषा सूत्र लागू करने की दिशा में प्रयास तेज

Apka Faisla 07-04-2026

धर्मशाला, (सन्नी महाजन)। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप शिक्षा और मूल्यांकन प्रणाली में कई महत्वपूर्ण सुधार लागू करते हुए उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। इन प्रयासों का उद्देश्य शिक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और छात्र केंद्रित बनाना है। बोर्ड द्वारा कक्षा 10वीं से 12वीं तक क्षमता आधारित प्रश्न पत्र लागू किए गए हैं, जिससे विद्यार्थियों की रटने की प्रवृत्ति कम होकर उनकी समझ और विश्लेषण क्षमता को बढ़ावा

कक्षा 10वीं से 12वीं तक क्षमता आधारित प्रश्न पत्र किए गए हैं लागू

बोर्ड त्रिभाषा सूत्र को प्रभावी ढंग से लागू करने की दिशा में कार्य कर रहा है : डॉ. राजेश शर्मा

मिल रहा है। इसके साथ ही कक्षा 9वीं से 12वीं तक के लिए क्षमता आधारित प्रश्न बैंक तैयार किया गया है, जो विद्यार्थियों को विविध प्रकार के प्रश्नों का अभ्यास करने में सहायक है। विद्यार्थियों के समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए समग्र प्रगति पत्र भी लागू किया गया है। इसके माध्यम से अब विद्यार्थियों का मूल्यांकन केवल अंकों तक सीमित न रहकर उनके संपूर्ण विकास के आधार पर किया जा रहा है। शिक्षा प्रणाली को अधिक लचीला बनाने के लिए अंक श्रेय ढांचा अपनाया गया है, जिससे विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों को व्यवस्थित और मानकीकृत किया जा सके। वहीं, राज्य विद्यालय मानक प्राधिकरण ढांचा के माध्यम से विद्यालयों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए एक मजबूत व्यवस्था स्थापित की गई है। कक्षा 10वीं के लिए द्वैध परीक्षा प्रणाली भी लागू की गई है, जिसके तहत विद्यार्थियों को एक ही शैक्षणिक वर्ष में दो बार परीक्षा देने का अवसर मिलेगा। इससे परीक्षा का दबाव कम होगा और प्रदर्शन सुधारने का अवसर प्राप्त होगा। बोर्ड अध्यक्ष ने बताया कि वर्तमान में बोर्ड त्रिभाषा सूत्र को प्रभावी ढंग से लागू करने की दिशा में कार्य कर रहा है। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों में बहुभाषी दक्षता विकसित करना और उन्हें राष्ट्रीय तथा वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना है। उन्होंने कहा कि बोर्ड भविष्य में भी शिक्षा की गुणवत्ता को और सुदृढ़ करने तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयास करता रहेगा।

Himachal Dastak 07-04-2026

एनईपी-2020 के अनुरूप शिक्षा बोर्ड के प्रमुख लक्ष्य हासिल, त्रिभाषा सूत्र पर कार्य जारी

हिमाचल दस्तक ▮ धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप शिक्षा एवं मूल्यांकन प्रणाली में व्यापक सुधार लागू करते हुए अनेक महत्वपूर्ण लक्ष्यों को सफलतापूर्वक प्राप्त कर लिया है।

बोर्ड द्वारा कंपिटेंसी बेस्ड प्रश्न पेपर (कक्षा 10वीं-12वीं) लागू किए गए हैं, जिनका उद्देश्य विद्यार्थियों की अवधारणात्मक समझ और विश्लेषणात्मक क्षमता को बढ़ाना है। इसके अतिरिक्त कंपिटेंसी बेस्ड प्रश्न बैंक (कक्षा 9वीं, 12वीं) विकसित किया गया है, जिससे विद्यार्थियों को विविध प्रकार के प्रश्नों के माध्यम से बेहतर अभ्यास का अवसर मिल रहा है। बोर्ड ने होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड (सेकंडरी स्टेज-कक्षा 9वीं-12वीं) को भी लागू किया है, जिसके माध्यम से विद्यार्थियों का मूल्यांकन केवल अंकों तक सीमित न रहकर उनके सर्वांगीण विकास के आधार पर किया जा रहा है।

साथ ही क्रेडिट फ्रेमवर्क को अपनाते हुए विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों को अधिक लचीला एवं मानकीकृत बनाया गया है। स्टेट स्कूल स्टैंडर्ड अथॉरिटी फ्रेमवर्क के माध्यम से विद्यालयों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए एक सुदृढ़ तंत्र स्थापित किया गया है। इसके अतिरिक्त कक्षा 10वीं के लिए ड्यूल एग्जाम सिस्टम लागू किया गया है, जिससे विद्यार्थियों को एक ही शैक्षणिक वर्ष में दो अवसर प्राप्त हो सकें और परीक्षा का दबाव कम किया जा सके। इन सभी सुधारों का मुख्य उद्देश्य शिक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी, विश्वसनीय एवं छात्र-केंद्रित बनाना है। बोर्ड अध्यक्ष ने बताया कि वर्तमान में एनईपी-2020 के अंतर्गत 3 लैंग्वेज फॉर्मूला को प्रभावी रूप से लागू करने की दिशा में कार्य कर रहा है।

इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों में बहुभाषी दक्षता को बढ़ावा देना तथा उन्हें राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना है। उन्होंने कहा कि बोर्ड भविष्य में भी शिक्षा की गुणवत्ता को और अधिक सुदृढ़ करने तथा विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयास करता रहेगा।

डिजिटल अख़बार
पहली नजर
सबसे पहले, सबसे तेज
पहली नजर
आज की ताजा ख़बर देखते रहिए डिजिटल न्यूज पेपर पहली नजर के साथ
06 अप्रैल, 2026 www.pehalinazar.com pehalinazarhp@gmail.com

एनईपी-2020 के अनुरूप हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के प्रमुख लक्ष्य हासिल, त्रिभाषा सूत्र (3 लैंग्वेज फॉर्मूला) पर कार्य जारी

विद्यार्थियों को विविध प्रकार के प्रश्नों से मिल रहा है बेहतर अभ्यास का अवसर

पहली नजर ब्यूरो, धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड (HPBOSE) ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 (NEP-2020) के अनुरूप शिक्षा एवं मूल्यांकन प्रणाली में व्यापक सुधार लागू करते हुए अनेक महत्वपूर्ण लक्ष्यों को सफलतापूर्वक प्राप्त कर लिया है। बोर्ड द्वारा कॉम्पिटेंसी बेस्ड क्वेश्चन पेपर्स (कक्षा 10वीं-12वीं) लागू किए गए हैं, जिनका उद्देश्य विद्यार्थियों की अवधारणात्मक समझ (कॉन्सेप्चुअल अंडरस्टैंडिंग) और विश्लेषणात्मक क्षमता

(एनालिटिकल एबिलिटी) को बढ़ाना है। इसके अतिरिक्त कॉम्पिटेंसी बेस्ड क्वेश्चन बैंक (कक्षा 9वीं-12वीं) विकसित किया गया है, जिससे विद्यार्थियों को विविध प्रकार के प्रश्नों के माध्यम से बेहतर अभ्यास का अवसर मिल रहा है।

बोर्ड ने हॉलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड (सेकेंडरी स्टेज : कक्षा 9वीं-12वीं) को भी लागू किया है, जिसके माध्यम से विद्यार्थियों का मूल्यांकन केवल अंकों तक सीमित न रहकर उनके सर्वांगीण विकास (overall development) के आधार पर किया जा रहा है। साथ ही Credit Framework को अपनाते हुए विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों को अधिक लचीला (flexible) एवं मानकीकृत (standardized) बनाया गया है। State School Standards Authority (SSSA) Framework के माध्यम से विद्यालयों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए एक सुदृढ़ तंत्र स्थापित किया गया है।

विद्यार्थियों को एक ही शैक्षणिक वर्ष में दो अवसर

इसके अतिरिक्त, कक्षा 10वीं के लिए Dual Examination System लागू किया गया है, जिससे विद्यार्थियों को एक ही शैक्षणिक वर्ष में दो अवसर (two attempts) प्राप्त हो सकें और परीक्षा का दबाव कम किया जा सके। इन सभी सुधारों का मुख्य उद्देश्य शिक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी (transparent), विश्वसनीय (credible) एवं छात्र-केंद्रित (student-centric) बनाना है।

विद्यार्थियों में बहुभाषी दक्षता बढ़ाना है उद्देश्य

बोर्ड अध्यक्ष ने बताया कि वर्तमान में HPBOSE, NEP-2020 के अंतर्गत 3 Language Formula को प्रभावी रूप से लागू करने की दिशा में कार्य कर रहा है। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों में बहुभाषी दक्षता (multilingual proficiency) को बढ़ावा देना तथा उन्हें राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना है।

शिक्षा की गुणवत्ता को अधिक सुदृढ़ करने का प्रयास

उन्होंने कहा कि बोर्ड भविष्य में भी शिक्षा की गुणवत्ता (quality of education) को और अधिक सुदृढ़ करने तथा विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयास करता रहेगा।

07 APRIL , 2026 TUESDAY DHARAMSHALA

The Sunny Times

HIMACHAL PRADESH BOARD REVAMPS EDUCATION SYSTEM WITH NEP-ALIGNED REFORMS

Sunny Mahajan | Dharamshala

The Himachal Pradesh Board of School Education (HPBOSE) has announced a series of transformative reforms in its teaching and evaluation systems, aligning closely with the National Education Policy (NEP) 2020. These initiatives aim to shift the focus from traditional rote learning to a more holistic, student-centric, and transparent academic environment.

In a major shift, the Board has introduced competency-based question papers for Classes 10th to 12th. This move is designed to discourage "cramming" and instead encourage students to develop critical thinking and analytical skills. To support this transition, a comprehensive competency-based question bank has been developed for Classes 9th to 12th, providing students with diverse practice materials that mirror real-world problem-solving.

Moving beyond mere percentages, HPBOSE has implemented the Holistic Progress Card (HPC). This 360-degree assessment tool tracks a student's overall growth, including cognitive, social, and emotional development. Furthermore, the adoption of a Credit Framework standardizes academic achievements, making the evaluation process more flexible and globally compatible.

To alleviate the immense pressure of board exams, a dual examination system has been introduced for Class 10th. Under this model, students get two opportunities within a single academic year to appear for exams, allowing them to improve their scores and reduce anxiety. Additionally, the State School Standards Authority (SSSA) has been established to ensure a robust quality control mechanism across all educational institutions in the state.

The Board Chairman emphasized that work is currently underway to effectively implement the Three-Language Formula. This initiative seeks to enhance multilingual proficiency among students, ensuring they remain competitive on both national and global stages.

With these reforms, the HPBOSE reaffirms its commitment to strengthening the quality of education and fostering the all-round development of every learner in Himachal Pradesh.